

वशीकरण कर्म

इस अध्याय में नर—नारी, राजा—प्रजा, शत्रु तथा देवताओं को खिलाने, पिलाने, लगाने, जलाने तथा गुनगुनाने के वशीकरण प्रयोग | यथाविधि बताए गए हैं।



सिद्ध शाबर मन्त्र : 124

लवण वशीकरण

मन्त्र :

ॐ भगवती भग भाग दायिनी देव ।
दत्तीं मम वश्यं कुरु कुरु स्वाहा ।

विधि : इस मन्त्र का प्रयोग स्त्री को वशीभूत करने के हेतू किया जाता है। (देवदन्ती के स्थान पर अभिलाषित स्त्री का नाम बोलें। इस मन्त्र के द्वारा गुरुवार के दिन प्रसन्न मुद्रा से नमक लेकर और इस मन्त्र से 7 बार अभिमन्त्रित करें। फिर अभिमन्त्रित स्त्री को खाने में या पीने में मिला करके ग्रहण करवा दें। ऐसा करने से वह स्त्री अवश्य ही आकर्षित हो मोहित हो जाती है।)

सिद्ध शाबर मन्त्र : 125

एरण्ड वशीकरण

मन्त्र :

ॐ नमो काल भैरव काली रात । काला आया आधी रात ।
चलै कतार बाँधूं । तूँ बावन वीर ।
पर नारी सो राखै सीर । छाती धरिके वाको लाओ ।
सोती होय, जगा के लाओ । बैठी होय, उठा के लाओ ।
शब्द साँचा पिण्ड काँचा । फुरे मन्त्र ईश्वरो वाचा ।
सत्य नाम आदेश गुरु का ।

विधि : इस मन्त्र को याद कर लें और जब जब कसी रविवार के दिन होली या दीपावली पड़े तो लाल रंग के एरण्ड के वृक्ष को उपरोक्त मन्त्र पढ़ते हुए एक झडके से उखाड़ लें । वृक्ष को केवल बाएँ हाथ से ही उखाड़े और फिर अपने निवास पर ले आएँ । इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें । एक टुकड़े को उपरोक्त मन्त्र से 21 बार अभिमन्त्रित करके जिस स्त्री को छुवा देंगे, वही आपके पीछे लग जाएगी ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 126

मृतिका वशीकरण

मन्त्र :

काला कलुवा चौंसठ वीर । ताल भागी तोर ।
जहाँ को भेजूँ वहीं को जाये । अपना मारा, आप दिखावे ।
चलत बाण मारुं । उलट मूठ मारुं ।
मार मार कलुवा । तेरी आस चार ।
चौमुखा दीया । मार बादी की छाती ।
इतना काम मेरा न करे तो तुझे माता का
दूध पिया हराम ।

विधि : जिस स्त्री को वशीभूत करना हो उसके बाएँ पाँव के नीचे की मिट्टी लेकर और मन्त्र से सात बार अभिमन्त्रित करके इच्छित के सिर पर डाल दें । वह स्त्री आकर्षित होकर आपके वशीभूत हो जाएगी ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 127

दृष्टि

मन्त्र :

ऐं भग भुगे भगनि भागोदरि भगमाले यौनि भगनिपतिनि सर्वभग
संकरी भगरूपे नित्य क्लैं भगस्वरूपे सर्व भगानि में वशमानय वरदेरेते
सुरेते भग ल्किने क्लीं न द्रवे क्लेदय द्रावय आमोघे भग विधे क्षुभ
क्षोभय सर्व स्तवामगेश्वरी ऐं ल्कं जं ब्लूं भैं मौ बलूं हे हे क्लिने
सर्वाणि भगानि तस्मै स्वाहा ।

विधि : इस मन्त्र का जाप करते हुए यदि किसी स्त्री से नजर
मिलाई जाए तो वह वशीभूत हो जाती है ।

लौंग मोहन मन्त्र :

ॐ नमो आदेश गुरु का। कामरु देश कामाक्ष्या देवी।
जहाँ बसे इस्माईल जोगी। इस्माईल जोगी ने दीन्हीं लौंग।
एक लौंग राती माती। दूजी लौंग दिखावे राती।
तीजी लौंग रहे ठहराय। चौथी लौंग रहे ठहराय।
नहीं आवे तो कुआँ बावड़ी घाट फिरे। रंडी कुआँ बावड़ी पे छिटक
मरे। ॐ नमो आदेश गुरु का। मेरी भक्ति, गुरु की शक्ति।
फुरे मन्त्र ईश्वरो वाचा। **विधि :** इस मन्त्र के द्वारा ग्रहण के समय ही
लौंग शक्तिकृत होगी। अतः जब भी ग्रहण पड़े तो एक मिट्टी का
चौमुखा दीया तथा चार लौंग लेकर शुद्ध तथा स्वच्छ स्थान पर बैठ
जायें। दीपक में चमेली का तेल डालकर चार बत्ती डाल करके
दीपक को इस भाँति जलायें कि प्रत्येक दिशा की तरफ बत्ती रहे,
अब आप लौंग लेकर प्रत्येक बत्ती की तरफ रखकर पूरे पर्वकाल में
यह मन्त्र पढ़ते रहें पर्वकाल के पश्चात् उठ जायें और यह लौंग एक
ताबीज में भर लें। अब आपने जब भी प्रयोग करना हो नये चार
लौंग लेकर सात बार अभिमन्त्रित करें और उस ताबीज को छुआ
कर जिसे खिलायेंगे, वही वश में होगा। यह प्रयोग स्त्री वशीकरण में
भी लाभ देगा।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 129

पान वशीकरण 1

मन्त्र :

श्री राम नाम रबेली अकनकबीरी ।

सुनिये नारी ।

बात हमारी ।

एक पान संग मंगाय ।

एक पान सेज सौं लावै ।

मक पान मुख बुलावै ।

हमको छोड़ और को देखै तो तेरा ।

कलेजा मुहम्मद वीर चखे ।

विधि : इस मन्त्र से 21 बार अभिमन्त्रित करके तीन बार पान खिलाएँ । पहला पान खाते ही वह स्त्री आपकी मित्र हो जाएगी । दूसरा पान खाने से वह आपके साथ यौन सम्बन्ध स्थापित कर लेगी । तीसरा पान खाने से वह किसी और की कल्पना भी न करेगी ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 130

पान वशीकरण 2

मन्त्र :

हरे पान हरियाले पान ।

चिकनी सुपारी, श्वेत खैर ।

दाहिने कर चूना, मोही लेय पान ।

हाथ में दे हाथ रस ले ।

ये पेट दे, पेट रस ले ।

श्री नरसिंह वीर थारी शक्ति ।

मेरी भक्ति ।

फुरो मन्त्र ईश्वर महादेव की वाचा ।

विधि : इस मन्त्र से 21 बार अभिमन्त्रित करके पान का बीड़ा जिस भी स्त्री को खिला दिया जाएगा वह स्त्री वशीभूत होकर प्राप्त हो जाएगी ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 131

हवन वशीभूत

मन्त्र :

ॐ गणपति वीर बसै मासान जो, मैं मंगी, सौ तुम आनुपाँच लडुवा
सिर सिंदूर, त्रिभुवन मांगे चम्पे के फूल, अष्ट कुलि नाग मोहु,
जो नारी बहुत्तरि कोठा मोहु, इन्द्र की बेटी सभा मोहु,
आवती आवती स्त्री मोहु, जाता जाता पुरुष मोहु,
डांवा अंग बसे नरसिंह जीवने क्षेत्रपालायें। आवै मार मर करन्ता।
सो जाई हमारे पाउ परन्ता। गुरु की शक्ति।
हमारी भक्ति। चलो मन्त्र आदेश गुरु का।

विधि : वन में जाकर हवन के लिए समिधा एकत्र करें और बाजार
से घृत, खांड, गुग्गुल खरीदकर एकान्त स्थान में जाकर हवन करें।
एकत्र की गई वन की समिधा में खरीदी गई सामग्री से इस मन्त्र के
द्वारा 351 आहुतियां दें। इस हवन के प्रभाव से सभी जन वशीभूत
होकर वैर भाव त्याग कर देते हैं।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 132

टीका वशीकरण

मन्त्र :

ॐ नमो आदेश गुरु को । राजा मोहूँ, प्रजा मोहूँ,
मोहूँ ब्राह्मण बनियो, हनुमन्त ब्राह्मण बनियाँ,
हनुमन्त रूप में जगत मोहूँ,
तो रामचन्द्र परमाणियाँ,
गुरु की शक्ति,
मेरी भक्ति, फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा ।

विधि : शनिवार के दिन सिंदूरी हनुमान जी की प्रतिमा का पूजन करें और मूर्ति को सिन्दूर का चोला चढ़ाएं । इसके बाद एक माला का जाप करें । यह जाप 21 दिन तक करें । जब आवश्यकता हो यह मन्त्र जपते हुए किसी चौराहे से मिट्टी उठा लें और भाल का टीका लगाकर अभिलाषित व्यक्ति के समक्ष जाएं तो वह अवश्य जी हजूरी करने लगेगा ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 133

पुष्प वशीकरण

मन्त्र :

ॐ नमो आदेश गुरु को । कामरु देश कामाक्षा देवी,
तहाँ ठै ठै इस्माईल जोगी, जोगी के आंगन फूल क्यारी,
फूल चुन-चुन लावे लोना चमारी, फूल चल फूल-फूल बिगसे,
फूल पर बीर नरसिंह बसे,
जो नही फूल का विष,
कबहुं न छोड़ें मेरी आस ।
गुरु की शक्ति,
मेरी भक्ति,
फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा ।

विधि : इस मन्त्र के द्वारा किसी पुष्प को अभिमन्त्रित करके लिए कामनी की देह पर मारा जायेगा, वही मोहित हो जाएगी ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 134

जय

मन्त्र :

ऐं सहवल्लरि क्लीं कर क्लीं कर कर पिशाच¹ अमुकीं काम ग्राह्य,
स्वप्ने मम रूपे नखै विदारय विदारय, द्रावय, द्रावय रद महेन बन्धय
बन्धय श्री फट् ।

विधि : रात्रि के मध्य काल में निर्वस्त्र होकर उत्तर दिशा की तरफ
मुख करके इस मन्त्र का पाठ करें। पाठ करते समय अमुकी के
स्थान पर अभिलाषित स्त्री का नाम लें। (इस जप काल में पूर्ण
कामुक होकर जप करें।) इस क्रिया के प्रभाव से शीघ्र ही चहेती
स्त्री की प्राप्ति हो जाती है।

इस कार्य को आपने 15 दिन तक प्रातः काल सूर्योदय से पूर्व
में करना है। एक बार में 108 बार जाप करें।

1. कहीं कहीं 'काम पिशाची' भी कहा जाता है।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 135

इलायची मोहन

मन्त्र :

ॐ नमो काला कलुवा, काली रात । निश की पुतली, माझी रात ।
काला कलुवा, घाट बाट । सोती जो जगाय लाओ ।
बैठी को उठाय लाओ । खड़ी को चलाय लाओ ।
मोहिनी योगिनी चल । राज की ठाऊं अमुकी के तन में चटपटी
लगाओ । जीया ले तोड़, जो कोई इलायची हमारी खावे ।
कभी न छोड़े हमारा साथ । घर को तजे बाहर को तजे ।
हमें तज और कने जाई । जो छाती फाट तुरन्त मर जाई ।
सत्य नाम आदेश गुरु का । मेरी भक्ति गुरु की शक्ति ।
फुरे मन्त्र ईश्वरोवाचा ।

विधि : इस मन्त्र से इलायची को सात बार अभिमन्त्रित करके जिस कामिनी को खिलायेंगे, उसी को इच्छानुसार पायेंगे ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 136

लौंग

मन्त्र :

ॐ जल की योगिनी, पातैरलका नाम ।
जिसपे भेजूँ, तिसपे लाग ।
सोते सुख न बैठे सुख ।
फिर—फिर देखे हमरा मुख ।
मेरी बाँधी जो छूटे ।
तो बाबा नाहरसिंह की जटा छूटे ।

विधि : चार लौंग लेकर किसी पत्ते में लपेटकर ऐसे मुख में रखें जैसे कि तम्बाकू खाने वाले तम्बाकू खाते हैं। इसके बाद जल में सिर समेत डुबकी लाएँ और एक ही डुबकी में इस मंत्र को सात बार पढ़ लें। फिर बाहर निकलकर लौंग सहेज कर रख लें। इसे धूप दिखाकर जिसे खिलाओ, उसी से मन चाहा काम पाओ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 137

पुतली मोहन

मन्त्र :

बांधूं इन्द्र को, बांधूं तारा । बांधूं बांधूं लोहे का आरा ।
उठे इन्द्र न बोले बाबा । सूखे साख धूनि हो जाए ।
तन ऊपर फेंकी, कड़े होय सूत । मैं तो बंधन बाँध्यो, सास ससुर
जाया पूत । मन बांधूं, मन्त्र बांधूं विद्या के साथ । चार खूंट फिर आये
फलानी फलाने¹ के साथ ।

विधि : यदि कामिनी को मोहित करना हो तो शनिवार के दिन
उसके बाएं पाव के नीचे की मिट्टी और यदि पुरुष को आकर्षित
करना हो तो शनिवार के दिन ही उसके दाहिने पांव के नीचे की
मिट्टी लेकर एक प्रतिमा बनायें । जिस लिंग (स्त्री अथवा पुरुष) को
आकर्षण करना हो तो उसी की प्रतिमा बना करे अर्द्धरात्रि को
एकान्त में वस्त्रहीन होकर उस प्रतिमा की धूप-दीप से पूजा करें
और हाथ में कच्चा सूत लेकर इस मन्त्र का जाप करते रहें । लगभग
घंटे भर बाद इस सूत से उस प्रतिमा को लपेटकर गुप्त कर लें और
प्रभाव देखें । _____

1. स्त्री मोहन फलानी फलाने के साथ । पुरुष मोहन में फलाना फलानी के साथ ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 138

तेल मोहन 1

मन्त्र :

ॐ नमो मोहिनी रानी ।
सिंहासन बैठी मोह रही दरबार ।
मेरी भक्ति, गुरु की शक्ति ।
दुहाई गौरा पार्वती की ।
बजरंग बली की आन ।
नही तो लोना चमारी की आन लगे ।

विधि : चमेली के तेल पर अंगुली लगा करके इस मन्त्र को सात बार जपें और फिर भाल पर इसी तेल की अंगुली लगा लें जो देखे सो मोहित हो ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 139

तेल मोहन 2

मन्त्र :

ॐ नमो मन मोहिनी ।

मोहिनी चला ।

गैर के मस्तक धरा ।

तेल का दीपक जला ।

जल मोहुं ।

थल मोहुं ।

मोहुं सारा जगत ।

मेहिनी रानी जा शैया पै ला ।

न लाय तो गौरा पार्वती की दुहाई ।

लोना चमारी की दुहाई ।

नहीं तो वीर हनुमान की आन ।

विधि : इस मन्त्र से अभिमन्त्रित कर चमेली का तेल जिस कामिनी पर छिड़क दिया जाएगा वही स्त्री वशीभूत हो जाएगी ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 140

काजल

मन्त्र :

नमः पद्मनी । अन्नजन मेरा नाम । इस नगरी में बैठके मोहुं सगरा
गाम । राज करन्ता राजा मोहुं । मोहुं परघट की पनिहार ।
इस नगर की छत्तीस मोहुं पवन बयार । जो कोई मार मार करन्ता
आवे । ताही नरसिंह वीर बायां पग के अंगुठा ।
तले धर गेर आवे । मेरी भक्ति गुरु की शक्ति । फरो मन्त्र
ईश्वरोवाचा ।

विधि : इस मन्त्र को जपते हुए अपामार्ग¹ की टहनी तोड़कर उस पर
रुई लपेट कर दीये में जलाएं । इसका काजल एकत्र कर लें । जब
तक काजल बनता रहे, मंत्र का जाप करते रहें । जब भी
आवश्यकता हो सात बार इस मन्त्र का जाप करके इस काजल को
नेत्रों में आंजें । इस प्रयोग से पूरा का पूरा समुदाय ही वशीभूत हो
जाता है ।

1. इसे चिचिटा, आँगा, लटजीरा भी कहते हैं । यह दो भाँति का जोता है । आपको जो मिले उसी का
प्रयोग कर लें ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 141

लौंग धूप मोहन

मन्त्र :

ॐ नमो आकाश की योगिनी, पाताल नाग । उठि हनुमन्त जी
फलानी¹ को लाग । परै न निद्रा । बैठे न सुख ।
जो वो देखे न मेरो मुख । तब तक नहिं परै हिये में सुख ।
लाउ जो वाकू पियो । मोहि दीखै ठण्डी हो जाय ।
आवत न काहू दिखाय । आउ आउ । मेरे आगे लाउ ।
न लावै तो गुरु गोरखनाथ की आन ।

विधि : एक लौंग मुह में रखकर आंधी के मध्य खड़े होकर इस मन्त्र को एक ही सांस में कम से कम सात बार जप करें और फिर हाथ फैलाकर आंधी की मिट्टी को हथेली पर रोक लें । इसी मिट्टी में लौंग पीस करके इस मन्त्र का पुनः सात बार जाप करके चहेती स्त्री के ऊपर डाल दे तो वह आपसे अलग न होगी ।

1. फलानी के स्थान पर इच्छित स्त्री का नाम लें ।

घी मोहन मन्त्र :

ओनो ओनो साओ । ईमोर माम तोर पो मोर ।

कोले ओ इरयम । यदि कोणेर माया धरो ।

ओ सिद्ध । सिद्धेश्वरी माथा खावो ।

विधि : गाय का शुद्ध घी लेकर इस मन्त्र से सात बार शक्तिकृत करके जिसे खिलाओगे, उसे ही अपना पाओगे ।

सिद्ध शाबर मन्त्र : 143

गुड़ मोहन मन्त्र :

ॐ नमो गुड़ । गुड़ रे तूँ गुड़ । गुड़ तामड़ा मसान । केलि करन्ता

जा । उसका देग उमा । सब हर्षे हमारी आस । खसम को देखे ।

जलै बलै । हमको देवै सकि रूचलै । चालि चालि रे कालिका के

पूत । जोगी जंगम और अवधूत । सोती होय, जगाय लाव ।

न लावै तो माता कालिका की । शय्या पर पाँव धरै ।

शब्द साँचा । पिण्ड काँचा । फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा । सत्य नाम

आदेश गुरु का । विधि : शनिवार के दिन भैरों की पूजा करके इस

मन्त्र से 21 बार गुड़ को आमन्त्रित करके जिसे खिलाओ, उसे ही

अपनी सेज पर पाओ । इस मन्त्र का लाभ केवल विवाहिता स्त्री से

ही प्राप्त होगा ।